



विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः २६.६ एवं १०.३ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ६१ सुबह में एवं दोपहर में ५६ प्रतिशत, हवा की औसत गति २.४ कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण २.३ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ७.४ घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में १३.६६ एवं दोपहर में २४.० डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

(१८-२१ फरवरी, २०१७)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी १८-२१ फरवरी, २०१७ तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसार:-

- उत्तर बिहार के जिलों में आसमान में हल्के बादल देखे जा सकते हैं। हँलाकि इस अवधि में मौसम के शुष्क रहने का अनुमान है।
- अधिकतम तापमान २७ से २६ डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान ११ से १३ डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकती है।
- औसतन ५ से ८ कि० मी० प्रति घंटा की रफ्तार से मुख्यतः पछिया हवा चलने की संभावना है। हँलाकि २० फरवरी को पुरवा हवा चलने का अनुमान है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में करीब ८० से ६० प्रतिशत तथा दोपहर में ५० से ६० प्रतिशत रहने का अनुमान है।

समसामयिक सुझाव

- गरमा फसल की बुआई से पूर्व मिट्टी में प्रयाप्त नमी की जाँच अवश्य कर लें। नमी के अभाव में बीजों का अंकुरण प्रभावित हो सकता है, फलतः पौधों की संख्या में आयी कमी होने की वजह से उपज प्रभावित होगी।
- बढ़ते तापमान को देखते हुए सब्जियों की लगी हुई फसल जैसे- मटर, टमाटर, बैंगन, मिर्च, प्याज, पत्ता गोभी में सिंचाई करें।
- चारा फसलों जैसे- बरसीम, लूसर्न, जई में सिंचाई व कटनी करें। यदि बरसीम को बीज के लिए रखनी हो तो अन्तिम कटाई कर सिंचाई करें। हरा चारा के लिए ज्वार, मकई और बाजरे की बुआई करें।
- गरमा मौसम की सब्जियों जैसे-भिन्डी, कद्दू, कदिमा, करेला, खीरा एवं नेनुआँ की बुआई करें। **भिन्डी** के लिए परभनी क्रान्ति, अर्का अभय, अर्का अनामिका, वर्षा उपहार, के०एस०-३१२, **लौकी** के लिए राजेन्द्र चमत्कार, पूसा समर प्रौलिफिक लॉग, पूसा समर प्रौलिफिक राउंड, **नेनुआ** के लिए राजेन्द्र नेनुआ-१, पूसा चिकनी पूसा प्रिया, कल्याणपुर चिकनी, **करेला** के लिए पूसा दो मौसमी, पूसा विशेष, कोयम्बटूर लॉग, पंत करेला और कल्याणपुर बारहमासी अनुशंसित किस्में हैं। विगत माह बोयी गई सब्जियों की फसल में निकाई-गुड़ाई करें।
- केला में निकाई-गुड़ाई करें। केला की सुखी एवं रोगग्रस्त पत्तियों को काटकर खेत से बाहर करें। गुड़ाई करने के बाद प्रति केला २०० ग्राम युरिया, २०० ग्राम म्युरेट ऑफ पोटाश एवं १०० ग्राम सिंगल सुपर फॉस्फेट का प्रयोग कर हल्की सिंचाई करें।
- जुलाई माह में लगाई गयी पपीता के बगीचे में निकाई-गुड़ाई करें तथा उसके बाद प्रति पौधा १०० ग्राम युरिया, ५० ग्राम म्युरेट ऑफ पोटाश एवं १०० ग्राम सिंगल सुपर फॉस्फेट का प्रयोग कर हल्की सिंचाई करें।
- आलू की तैयार फसल की खुदाई करें। खुदाई के १५ दिनों पूर्व सिंचाई बन्द कर दें। बीज वाली आलू की फसल की उपरी लती काट दें।
- सरसों की तैयार फसल की कटाई करें। पिछत बोयी गयी सरसों की फसल में लाही कीड़ों के प्रकोप का अनुकूल समय चल रहा है। इससे बचाव के लिए डाईमिथोएट ३० ई०सी० दवा का १.० मि०ली० प्रति लीटर पानी की दर से घोल कर छिड़काव करें।
- सूर्यमुखी की बुआई करें। बुआई से पूर्व खेत की जुताई में १०० क्विंटल कम्पोस्ट, ३०-४० किलोग्राम नेत्रजन, ८०-६० किलोग्राम फॉस्फोरस एवं ४० किलोग्राम पोटास का व्यवहार करें। उत्तर बिहार के लिए सूर्यमुखी की उन्नत संकल प्रभेद मोरडेन, सूर्या, सी०ओ०-१ एवं पैराडेविक तथा संकर प्रभेद के लिए बी०एस०एच०-१, के०बी०एस०एच०-१, के०बी०एस०एच०-४४, एम०एस०एफ०एच०-१, एम०एस०एफ०एच०-८ एवं एम०एस०एफ०एच०-१७ अनुशंसित हैं। संकर किस्मों के लिए बीज दर ५ किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तथा संकल किस्मों के लिए ८ किलोग्राम प्रति हेक्टेयर रखें। बुआई से पहले प्रति किलोग्राम बीज को २ ग्राम थीरम या कैप्टाफ दवा से उपचारित कर बुआई करें।
- गरमा मक्का की बुआई शुरू करें। जुलाई से पूर्व खेतों में प्रति हेक्टेयर १५-२० टन गोबर की खाद, ४० किलोग्राम नेत्रजन, ४० किलोग्राम स्फुर एवं ३० किलोग्राम पोटास का व्यवहार करें। बुआई के लिए सुवान, देवकी, गंगा ११, शक्तिमान १ एवं शक्तिमान २ किस्में अनुशंसित हैं। बीज दर २० किलोग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से व्यवहार करें। प्रति किलोग्राम बीज को २.५ ग्राम थीरम या कैप्टाफ द्वारा उपचारित कर बुआई करें।

आज का अधिकतम तापमान: २६.२ डिग्री सेल्सियस

आज का न्यूनतम तापमान : १०.० डिग्री सेल्सियस

(ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी